सफलता की कहानी

ग्राम पंचायत गवारडू –विकास खण्ड बमसन(टोनी देवी), जिला-हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)

स्वच्छता मानव विकास की मूलभूत पहचान है। यह उसकी सामर्थ्य की प्रतीक है । तथा उसकी प्रगति का पैमाना भी है । स्वच्छता एक मूलभूत अधिकार व कर्तव्य दोनों हैं । **"स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण"** के अंतर्गत हिमाचल सरकार ने इस योजना को लागू करते समय ग्राम पंचायतो व ग्रामीण जनता का विशेष ध्यान रखा है । हिमाचल प्रदेश में शत –प्रतिशत निर्मल हिमाचल का लक्ष्य लगभग हासिल कर लिया गया है । हिमाचल प्रदेश में सम्पूर्ण स्वच्छता के आने से समूचा हिमाचल समाज स्वच्छ व स्वस्थ बनेगा । वर्तमान में हिमाचल प्रदेश में सम्पूर्ण स्वच्छता के लक्ष्य को पंचायत प्रतिनिधियों, स्थानीय लोगों एवं गैर- सरकारी संगठनो की सक्रिय भागीदारी से हासिल किया जा रहा है ।

"स्वच्छ भारत मिशन –ग्रामीण" के अंतर्गत विकास खण्ड बमसन स्थित टोनी देवी की सभी ग्राम पंचायते **खुला शौच मुक्त** हो चुकी हैं । जिसमें से ग्राम पंचायत गवारडू ने स्वच्छता के क्षेत्र में काफी सराहनीय कार्य किया है । ग्राम पंचायत गवारडू जिला हमीरपुर से 19 किलोमीटर की दूरी पर टोनी देवी से उहल सड़क पर स्थित है । इस पंचायत का गांव गवारडू जिला हमीरपुर में अधिक जनसंख्या व क्षेत्रफल वाले गांवों में गिना जाता है । ग्राम पंचायत 1053 हेक्टर में फैली हुई है जिसमें 566 परिवार व जनसँख्या 2659 है ग्राम पंचायत में पांच राजस्व गांव, सात वार्ड, चार शिक्षा संस्थान, सात आंगनवाडी केन्द्र, दो चिकित्सा संस्थान, एक पशु औषधालय, दो पटवार भवन, एक कृषि सेवा सहकारी समिति, पांच महिला मण्डल, तीन युवक मण्डल, तीन हल्दी समूह, तीन स्वयं सहायता समूह व चार धार्मिक स्थल हैं ।

वर्ष 2008 में गैर सरकारी संगठन (HPVHA) के कार्यकर्ताओं ने प्रशासन, पंचायत व स्थानीय लोगों के सहयोग से कार्य करना आरम्भ किया। उस समय आधारभूत सर्वेक्षण-2005 के अनुसार 502 परिवारों में से केवल 128 परिवारों के पास ही शौचालय थे जिसमें दो प्राथमिक स्कूल व पांच आंगनवाड़ी केन्द्र भी शौचालय रहित थे। ग्राम पंचायत का सम्पूर्ण क्षेत्र बाह्य शौच व कूड़े-कचरे से ग्रसित था। जिनके पास शौचालय थे वह परिवार भी खुले में शौच करने जाते थे। हर तरफ गंदगी का आलम था। अतः वर्ष 2011 में प्रधान अनिल कुमार ठाकुर के नेतृत्व में नई कार्यकारणी का गठन हुआ जिसमें इस मुहिम को आगे बढाया तथा पंचायत स्तर पर नए सिरे से जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय पंचायत के लोगों, महिला मण्डल, युवक मण्डल, आंगनवाडी कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूह व स्कूली बच्चों को एकजुट करके स्वच्छता कैम्पों व रैलीयां को आयोजन हर स्तर पर किया गया तथा सभी परिवारों को शौचालय बनाने व उसका उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया और गांव के लोगों ने **गैर सरकारी संगठन (HPVHA) के कार्यकर्ताओं** व पंचायत के आदेशो का पालन करते हुए अपने-अपने घरों में शौचालय निर्माण करवाया व उसका उपयोग भी सुनिश्चित किया जिसके परिणामस्वरूप इसी वर्ष भारत सरकार कि निरीक्षण टीम ने पंचायत क्षेत्र को शत-प्रतिशत खुला शौच मुक्त व स्वच्छ पाया तथा पंचायत को **"निर्मल ग्राम पुरस्कार"** का दर्जा प्रदान किया।

भारत सरकार से **"निर्मल ग्राम पुरस्कार"** मिलने के बाद विकास खण्ड बमसन के खण्ड समन्वयक **(HPVHA)** अनिल पटियाल ने पंचायत को और आगे तक ले जाने के लिए प्रेरित किया जिसमें पंचायत प्रधान सहित सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि हम अपने कार्यकाल में पंचायत को नई उंचाई तक ले कर जायेगें। इसके परिणामस्वरूप इसी वर्ष 2012 में हिमाचल सरकार द्वारा संचालित **"महर्षि वाल्मीकी सम्पूर्ण स्वच्छता पुरस्कार योजना"** में पंचायत जिला व खण्ड स्तर पर प्रथम रही जिसमें पंचायत को 3.00 लाख रुपये से पुरस्कृत किया गया। ग्राम पंचायत ने इस पुरस्कृत धनराशि को ग्राम सभा से पारित करवा कर सभी परिवारों को कूड़ादान वितरित किये। इसी योजना के तहत **वर्ष 2013 में पंचायत मंडी मण्डल में भी प्रथम** रही। जिसमें पंचायत को पांच लाख रुपये से पुरस्कृत किया गया। स्वच्छता के क्षेत्र में ही ग्राम पंचायत गवारडू के सभी सरकारी स्कूल **"स्कूल स्वच्छता पुरस्कार योजना"** से पुरस्कृत (खण्ड स्तर) तथा चार महिला मण्डल **"महिला मण्डल प्रोत्साहन योजना"** से पुरस्कृत हो चुके हैं।

वर्तमान में ग्राम पंचायत गवारडू के हर परिवार के पास अपना शौचालय व कूडादान तथा 60% परिवारों के पास कैंचुआ पिट हैं। इसके अतिरिक्त जगह-जगह कूडादान का प्रबंध किया गया है तथा कूड़े-कचरे को डालने के लिए दो वार्डों में डम्पिंग साईट, सोखता पिट व गंदे पानी कि निकासी के लिए नालियों का प्रावधान किया हुआ है। ग्राम पंचायत स्तर पर जूठन से बनी गैस **(गैस-सयंत्र) व कचरे से कमाई** (जहाँ पर हर वस्तु को अलग करके कबाड़ी वाले को बेचा जाता है) का निर्माण किया गया है। ग्राम पंचायत द्वारा प्रत्येक परिवार से 10/- रुपये मासिक स्वच्छता शुल्क लिया जाता है। ग्राम पंचायत ने कचरे को लाने के लिए खच्चर व स्वच्छता कर्मी का प्रावधान किया हुआ है। ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायत सचिव द्वारा पूरा हिसाब/ रिकार्ड सुंदर व आकर्षक तरीके से कायम किया हुआ है।

ग्राम पंचायत गवारडू ने स्वच्छता के अलावा अन्य योजनाओं में भी सराहनीय कार्य किया है। जिसमें मध्य हिमालय जलागम परियोजना में जिला में प्रथम (एक लाख रुपये), राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना में जिला में प्रथम (दस हज़ार रुपये), तथा पिछले पांच वर्षों में मनरेगा योजना में एक करोड़ के लगभग विकास कार्य पंचायत में करवाए। ग्राम पंचायत गवारडू में इन पांच वर्षों में कोई भी ग्राम सभा असफल नहीं हुई है। सभी लोगों का पूर्ण सहयोग ग्राम पंचायत की हर योजना को सफल बनाने में रहता है जिसमें आंगनवाडी कार्यकर्ताओं व महिला मण्डल सदस्यों का योगदान सराहनीय रहता है। ग्राम पंचायत गवारडू को सफल बनाने में प्रशासन, गैर सरकारी संगठन (HPVHA), के कार्यकर्ता का महत्वपूर्ण व सराहनीय योगदान रहा है जिससे पंचायत स्वच्छता व अन्य क्षेत्र में अग्रणी रही है। और आशा करते हैं कि यह मुहिम आगे भी बरकरार रहेगी।

"जय स्वच्छता"-"जय हिंद"

अनिल पटियाल,(खण्ड समन्वयक)
स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण,
विकास खण्ड बमसन।

9/9/18
सन्नी शर्मा,
सहायक आयुक्त(विकास) एवं खण्ड विकास अधिकारी,
विकास खण्ड बमसन स्थित टोनी देवी।